नगरीकरण का समाजशास्त्रीय अध्ययन

मनीषा मिश्रा

नगरीकरण एक प्रक्रिया है। परन्तु इस प्रक्रिया की विश्व में कोई सार्वभौमिक अवधारणा परिलक्षित नहीं की जा सकती है। औद्योगिक समाजों की तुलना में वाणिज्यिक, धार्मिक और शैक्षिक केन्द्रों में यह प्रक्रिया भिन्न–भिन्न रूप से प्रभावशील होती है। यद्यपि आज संसार में यह प्रक्रिया लगभग सभी प्रकार के समाजों मेंक्रियाशील है। 1900 में संसार में कुल 10 नगर ऐसे थे जो 10 लाख व ऊपर कीजनसंख्या वाले थे। 1970 में ऐसे नगरों की संख्या 61 त क पहुँच गयी थी।आज 10में से प्रत्येक2 व्यक्ति ऐसे नगरों में निवास करते हैं जिनकी जनसंख्या 20,000 या इससेअधिक है। भारत में कलकत्ता नगर की जनसंख्या 60 लाख के लगभग पहुँच गयी हैं।जनसंख्या की अ भिवृद्धि से नगरों का विकास होता है। नगर विकास की इसी प्रक्रिया को नगरीकरण कहते है।